खादी ग्रामोद्योग आयोग द्वारा लोकवस्त्र योजना चलाने का प्रस्ताव

7037. **श्री चिरंजीवी झा :** क्या औद्योगिक विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या खादी ग्रामोद्योग आयोग का 'लोक वस्त्र' योजना चलाने का प्रस्ताव है ;

(ख) यदि हां, तो योजना की मुख्य बातें क्या हैं , और

(ग) इसे कब तक कार्यान्वित किया जा सकेगा ?

औद्योगिक विकास मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री जियाउर्रहमान अन्सारी): (क) जी, हां ।

(ख) योजना की मुख्य बातें निम्न-लिखित है :—

1 48 इकाइयों के शक्तिचालित चरखों से सूत का उत्पादन,

2 नैपाल किस्म के विकसित करघों पर यथोपयुक्त स्थिति के अनुसार शक्तिचालित अथवा हथकरघे पर बुनाई किया जाना,

3 इन विकेन्द्रित एककों में मोटे किस्म का कपड़ा, मुख्यत: 20 काउन्ट से कम के धागे से बन कर बनाया जाता है ,

4 1,13 400 वर्ग मी० मोटे सूती कपड़े वार्षिक (8 घंटे दैनिक के वर्ष में 300 कार्य दिवस) की क्षमता वाले "लोक वस्त्र एकक" में मशीनों व उपकरणों पर 1 70 लाख रु० की लागत का अनुमान है तथा इसके प्रत्येक केन्द्र में 63 से 84 व्यक्तियों को रोजगार मिल सकेगा ।

5 सरकार से सहायता तथा बैंक ऋणों से प्राप्त कार्यशील पूंजी से आयोग ने पांचवीं योजना-वधि में मोटा कपड़ा (लोक वस्त्र) बनाने के 1000 ग्रामीण कपडा केन्द्र (रूरल फैब्रिक केन्द्र) स्थापित करने का प्रस्ताव किया था ।

(ग) ऐसे दो-एक एकक तमिलनाडु में परीक्षण के तौर पर चल भी रहे हैं । आशा है कि खादी ग्रामोद्योग आयोग आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त करके चालू वर्ष में इस योजना का क्रियान्वयन शुरू कर देगा ।

खादी ग्रामोद्योग भवन, नई दिल्ली में सरसों के तेल की बिक्री

7038. **श्री चिरंजीवा झा :** क्या औद्योगिक विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या खादी ग्रामोद्योग आयोग द्वारा सरसों के तेल का उत्पादन किया जाता है; और

(ख) यदि हां, तो नई दिल्ली में कनाट प्लेस स्थित खादी ग्रामोद्योग भवन में आयोग द्वारा उत्पादित सरसों के तेल की बिक्री की व्यवस्था न किये जाने के क्या कारण हैं ?

औद्योगिक विकास मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री जियाउर्रहमान अन्सारी) : (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।